चीता संरक्षण पर केन्या-भारत सहयोग

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में **केन्याई** प्रतिनिधिमंडल ने **वन्यजीव संरक्षण प्रयासों** के सहयोग पर चर्चा करने हेतु भारत का दौरा किया, जिसमें चल रहे**चीता पुनरुत्पादन परियोजना** (प्रोजेक्ट चीता) पर विशेष बल दिया गया है।

- प्रतिनिधिमंडल ने **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (National Tiger Conservation Authority - NTCA)** के समक्ष सहयोग का प्रस्ताव करते हुए एक मसौदा समझौता ज्ञापन प्रस्तुत किया।
    - **क्षमता निर्माण एवं ज्ञान साझा** करने के साथ-साथ इसमें क्षेत्रीय गश्त और वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने के लिये केन्याई वन रेंजरों को उपकरण आपूर्ति करने का प्रावधान भी शामिल था।
- **प्रोजेक्ट चीता:**
    - परियोजना का **पहला चरण वर्ष 2022** में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य देश में **वर्ष 1952** में विलुप्त घोषित किये गए चीतों की आबादी को बहाल करना है।
        - इसमें **दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से चीतों को कुनो राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित करना शामिल है।
        - यह परियोजना NTCA द्वारा मध्य प्रदेश वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान (Wildlife Institute of India-WII) के सहयोग से कार्यान्वित किया गया है।
    - परियोजना के **दूसरे चरण** के अंतर्गत भारत समान आवासों के कारण **केन्या** से चीते मंगाने पर विचार कर रहा है।
        - चीतों को **कुनो राष्ट्रीय उद्यान** और **गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (मध्य प्रदेश)** में स्थानांतरित किया जाएगा।

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: ***एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)***

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल* ***12*** *चीते शेष हैं।*

एशियाई चीता

- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष* ***2009*** *में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को* ***मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान*** *में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

अफ्रीकी चीता

DRISHTI IAS

और पढ़ें: प्रोजेक्ट चीता का एक वर्ष, भारत में चीतों की पुनःवापसी, कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता के शावक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kenya-india-collaboration-on-cheetah-conservation